भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1122

08 दिसम्बर, 2023 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुर्स्वास्थ्य योजना

1122. श्री रघु राम कृष्ण राजू:
श्री हँसमुखभाई एस. पटेल:
डॉ. संघमित्रा मौर्य:
श्रीमती संगीता आज़ाद:
श्री राजेश वर्मा:
श्री तीरथ सिंह रावत:
श्री नलीन कुमार कटील:
श्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा:
श्री परबतभाई सवाभाई पटेल:
श्री बी.वाई. राघवेन्द्र:
श्री सुनील बाबूराव मेंढ़े:
श्री संजय भाटिया:
श्री जयंत सिन्हा:
श्री कृपानाथ मल्लाह:
श्री मोहनभाई कुंडारिया:
श्री दीपसिंह शंकरसिंह राठौड़:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2022-2023 के दौरान सरकार द्वारा आयुर्स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत राजस्थान और झारखंड सहित राज्य/संघराज्य क्षेत्र-वार स्वीकृत और उपयोग की गई निधियों का ब्यौरा क्या है;

(ख) उल्लेखनीय उपलब्धियों और प्राप्त लक्ष्यों को दर्शाते हुए योजना के घटकों सहित योजना का ब्यौरा क्या है;

(ग) सामुदायिक स्वास्थ्य परिचर्या में आयुष कार्यकलापों को बढ़ावा देने के लिए इस योजना और जन स्वास्थ्य घटक के अंतर्गत नियोजित विशिष्ट कार्यनीतियों की रूपरेखा का ब्यौरा क्या है;

(घ) उत्कृष्टता केन्द्र घटक के अंतर्गत निधि का उपयोग करके पोषित अनुसंधान और विकास कार्यकलापों का ब्यौरा क्या है और अब तक क्या परिणाम/प्रगति देखी गई है;

(ङ) राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत दूरस्थ/अल्पसेवित क्षेत्रों में आयुष स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं की सुलभता सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है;

(च) आयुष उद्यमिता कार्यक्रम का ब्यौरा क्या है और आयुष क्षेत्र को बढ़ावा देने में इसका क्या योगदान है तथा आकांक्षी उद्यमियों के क्या सहायता तंत्र विद्यमान है; और

(छ) सीटीआरआई, आरएमआईएस, एसएएचआई, एएमएआर, ई-मेधा पोर्टल आदि सहित आयुष संपूर्ण स्वास्थ्य केन्द्रों की पहल देश में आयुष सिद्धांतों और प्रथाओं को आगे बढ़ाने में इसकी भूमिका के साथ-साथ आयुर्स्वास्थ्य योजना के उद्देश्यों को किस प्रकार पूरा करती है?

उत्तर

आयुष मंत्री (श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) और (ख): आयुष मंत्रालय के अंतर्गत आयुर्स्वास्थ्य योजना की केन्द्रीय क्षेत्र योजना के दो घटक हैं अर्थात (i) आयुष और जन-स्वास्थ्य (पीएचआई), (ii) उत्कृष्टता केन्द्र (सीओई)। आयुर्स्वास्थ्य योजना वित्तीय वर्ष 2021-22 से लागू की जा रही है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान आयुर्स्वास्थ्य योजना के लिए आवंटित निधि संशोधित अनुमान स्तर पर 27.83 करोड़ रुपए और बजट अनुमान स्तर पर 11.00 करोड़ रुपए थी। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान आयुर्स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत संगठन के लिए स्वीकृत निधियों का राजस्थान सहित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा **संलग्नक-I** में दिया गया है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान झारखंड राज्य को कोई निधि जारी नहीं की गई। योजना और इसके घटकों का ब्यौरा सार्वजनिक रूप से https://main.ayush.gov.in/schemes-2/central-sector-scheme/ayurswasthya-yojana/ पर उपलब्ध है।

इस योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए कुल 17 परियोजनाओं को सहायता दी गई है और विभिन्न संगठनों को 10.83 करोड़ रुपए की निधि जारी की गई है। आयुर्स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत परियोजना तीन वर्षों के लिए अनुमोदित की गई है।

(ग): योजना के तहत आवेदन आमंत्रित करने, परियोजना की मंजूरी, निधि जारी करने के पैटर्न और निगरानी पैटर्न/मूल्यांकन मानदंड के लिए अपनाई गई विस्तृत कार्यनीतियां और जन-स्वास्थ्य घटकों का ब्यौरा https://main.ayush.gov.in/schemes-2/central-sector-scheme/ayurswasthya-yojana/ पर उपलब्ध है।

(घ): उत्कृष्टता केन्द्र घटक के अंतर्गत निधि का उपयोग करके चलाए गए अनुसंधान एवं विकास कार्यकलापों और अब तक देखे गए परिणामों/प्रगतियों का ब्यौरा **संलग्नक-II** में दिया गया है।

(ङ): राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केन्द्रीय प्रायोजित योजना के अंतर्गत, आयुष उपचार और दवाओं के लिए राज्य सरकार को 50/30/10 बिस्तरों तक के एकीकृत आयुष अस्पतालों के साथ-साथ आयुष औषधालयों की स्थापना, एकल सरकारी आयुष अस्पतालों और औषधालयों के उन्नयन, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और जिला अस्पतालों (डीएच) में आयुष सुविधाओं की सह-स्थापना और आयुष स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों (आयुष एचडब्ल्यूसी) के संचालन के लिए वित्तीय सहायता का प्रावधान है।

(च): आयुष मंत्रालय ने आयुष उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस संबंध में, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) द्वारा डिजिटल विज्ञापन, ई-मार्केटिंग, जीएसटी एंड जीईएम पर 10 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा आयुष उत्पादों की पैकेजिंग, विपणन और निर्यात संवर्धन पर 07 राष्ट्रीय संगोष्ठियां/कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

आयुष मंत्रालय के अधिदेश के तहत, आयुष से संबंधित स्टार्ट-अप और उद्यमियों के लिए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली में एक इनक्यूबेशन केंद्र एआईआईए-आईसीएआईएनई स्थापित किया गया है। एआईआईए-आईसीएआईएनई ने एआईआईए, नई दिल्ली में स्टार्टअप्स को मेंटरशिप और विभिन्न नैदानिक सुविधाएं प्रदान की हैं।

(छ): सीटीआरआई पोर्टल भारत में नैदानिक परीक्षण करने के लिए शोधकर्ता को सुविधा प्रदान करता है। सीसीआरएएस ने भारतीय चिकित्सा विरासत पर आधारित चार एप्लिकेशंस विकसित किए हैं (i) आयुष मैन्युस्क्रिप्ट्स एडवांस्ड रिपॉजिटरी (एएमएआर), (ii) शोकेस ऑफ आयुर्वेद हिस्टोरिकल इंप्रिंट्स

(एसएएचआई) पोर्टल, (iii) ई-मेडिकल हेरिटेज एक्सेसन (ई-मेधा) कैटलॉग, (iv) रिसर्च इनफॉर्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम (आरएमआईएस)। ये पोर्टल और आयुष कल्याण केंद्र, आयुर्स्वास्थ्य योजना से नहीं जुड़े हैं।

*****

संलग्नक-I

वर्ष 2022-23 के दौरान आयुर्स्वास्थ्य योजना के तहत सरकार द्वारा स्वीकृत और उपयोग की गई निधि का राजस्थान एवं झारखंड सहित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण

क्रं.सं.	संगठन का नाम	परियोजना का नाम	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	स्वीकृत धनराशि वित्तीय वर्ष - 2022-2023 (रुपये में)
1.	सीआईएमआर, एम्स, दिल्ली	योग एवं आयुर्वेद उत्कृष्टता केंद्र	दिल्ली	रु.2,04,61,480/-
2.	निमहांस, बेंगलुरु	आयुर्स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत आयुष अनुसंधान उत्कृष्टता केंद्र	कर्नाटक	रु.84,75,016/-
3.	सीएआरआई, बेंगलुरु	मधुमेह (डायबिटीज मेलिटस) के लिए अनुसंधान और नैदानिक सेवा उत्कृष्टता केंद्र	कर्नाटक	रु.20,00,000/-
4.	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए), जयपुर	राजस्थान के जयपुर जिले के जामवा रामगढ़ ब्लॉक के बच्चों में कुपोषण को कम करने और रोकने के लिए आयुर्वेद उपचार	राजस्थान	रु.33,36,084/-
5.	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए), जयपुर	जयपुर जिले के चाकसू ब्लॉक में 25-70 वर्ष आयु वर्ग के पुरुष और महिला रोगियों में प्री-डायबिटीज और टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस का आयुर्वेदिक दवाओं के साथ-साथ योग एवं जीवनशैली में बदलाव से उपचार	राजस्थान	रु.35,00,000/-
6.	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए), जयपुर	जयपुर जिले की जामवा रामगढ़ तहसील में अति मद्यपान (मद्यपान संबंधी विकार) का आयुर्वेदिक दवाओं, योग, परामर्श और जीवनशैली में बदलाव से उपचार	राजस्थान	रु.59,52,000/-
7.	आईएलबीएस, दिल्ली	स्वस्थ एवं रोगग्रस्त लीवर पर भारतीय खाद्य पदार्थों और आयुर्वेदिक दवाओं का प्रभाव	दिल्ली	रु.2,60,63,504/-
8.	श्रीनाथ मानव सेवा मंडल, पारली मुंबई	मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापे के लिए सामुदायिक जांच कार्यक्रम और आयुर्वेद से इसका उपचार तथा बीड जिला, महाराष्ट्र के पारली ब्लॉक में रेफरल रिसर्च सेंटर की स्थापना	महाराष्ट्र	रु.29,90,350/-
9.	आयुष निदेशालय, महाराष्ट्र	ऑस्टियोपोरोसिस की जांच और आयुष दृष्टिकोण का उपयोग करके उपचार कार्यक्रम: महाराष्ट्र राज्य में एक समुदाय आधारित कार्यक्रम	महाराष्ट्र	रु.16,00,000/-

10	अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), नई दिल्ली	भारतीय जनसंख्या में गुप्त तपेदिक (एलटीबीआई) के उपचार के लिए आयुर्वेदिक चिकित्सा और रसायन चिकित्सा को बढ़ावा देना	दिल्ली	रु.59,25,600/-
11	अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), नई दिल्ली	आयुर्वेदिक उपचार से बच्चों के ज्ञान, दृष्टिकोण, व्यवहार और ओरल हैल्थ स्टेटस को बढ़ावा देना	दिल्ली	रु.49,17,802/-
12	अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), नई दिल्ली	हरियाणा राज्य के फ़रीदाबाद जिले वयोवृद्ध लोगों में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए समुदाय आधारित आयुर्वेद उपचार	दिल्ली	रु.59,98,800/-
13	आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (आईटीआरए), जामनगर (पूर्व नाम गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय)	जामनगर जिले के जामनगर तालुका में प्रजनन आयु वर्ग की किशोरियों और महिलाओं में पांडु (एनीमिया) रोग का आयुर्वेदिक दवाओं से उपचार	गुजरात	रु.29,99,200/-
14	अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), नई दिल्ली	स्वस्थ संतति के लिए आयुर्वेद देखभाल	दिल्ली	रु.29,94,000/-
15	अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), नई दिल्ली	आयुर्वेदिक उपचार से मस्कुलोस्केलेटल विकारों के दर्द का उपचार	दिल्ली	रु.29,94,400/-
16	अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), नई दिल्ली	पुलिस कर्मियों की मनो-स्वास्थ्य दशा (चिंता, तनाव, अवसाद) का आयुर्वेदिक से उपचार पर जानकारी, दृष्टिकोण और प्रथाओं को बढ़ावा देना	दिल्ली	रु.60,00,000/-
17	तिलक आयुर्वेद महाविद्यालय, पुणे, महाराष्ट्र	महाराष्ट्र के पुणे जिले के मुलाशी ब्लॉक में स्कूली बच्चों में खून की कमी से होने वाले एनीमिया के उपचार में पुनर्नवादि मंडूर और द्राक्षावलेह का कार्यान्वयन।	महाराष्ट्र	रु.20,91,764/-

संलग्नक-II

उत्कृष्टता केंद्र घटक के तहत निधि का उपयोग करके चलाए गए अनुसंधान एवं विकास कार्यकलापों और अब तक देखे गए परिणामों/प्रगतियों का विवरण।

संगठन का नाम	**परिणाम/प्रगति**
केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (सीएआरआई),बेंगलुरु	विशिष्ट रूप से प्रमेह से संबंधित 567 फॉर्मूलेशन संकलित किये गये। चयन किए गए चार फॉर्मूलेशन का विनिर्माण किया गया। विस्टार चूहों में उच्च वसा वाले आहार के साथ-साथ स्ट्रेप्टोजोटोसिन प्रेरित मधुमेह की कम खुराक में चार मधुमेह-रोधी फॉर्मूलेशन का प्रीक्लिनिकल अध्ययन पूरा किया गया और सीओई के तहत 7 नैदानिक अनुसंधान परियोजनाएं शुरू की गई हैं, जिनमें से 4 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं। 8 लेख प्रकाशित किए गए हैं।
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निमहंस),बेंगलुरु	संस्थान ने इंटीग्रेटिव मेडिसिन पर एक ओरिएंटेशन कार्यशाला की मेजबानी की जिसमें भारत भर के कई एम्स के निदेशकों ने भाग लिया।
पतंजलि आयुर्वेद अस्पताल, हरिद्वार, उत्तराखंड	अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए पतंजलि आयुर्वेद अस्पताल द्वारा कार्यशालाएं और सम्मेलन आयोजित किए गए।
राजीव गांधी सरकारी पी.जी आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल, पपरोला, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश	उपकरण, फर्नीचर और फिक्स्चर खरीदे गए हैं और वृद्धावस्था देखभाल परिसर भवन में स्थापित किए गए हैं और वृद्धावस्था रोगियों के उपचार के लिए उपयोग किए जा रहे हैं। इस परियोजना के तहत 13 सीएमई कार्यक्रम आयोजित किए गए और विभिन्न बीमारियों के लिए उपचार दिशानिर्देश तैयार किए गए।
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर, (आईआईटी जोधपुर), राजस्थान	प्रकृति और विकृति फेनोटाइपिंग के लिए मोबाइल एप्लिकेशन विकसित किए गए हैं। मालेक्युलर मेकैनिस्टिक समझ और पंचकर्म प्रक्रियाओं तथा प्रमेह अवस्थाओं में उपयोग की जाने वाली दोष विशिष्ट दवाओं में निष्पक्षता प्रदान करने के लिए आयुरटेक आधारित अध्ययन शुरू किया गया है।
आर्य वैद्य शाला, कोट्टक्कल, केरल	संस्थान ने एक कार्यशाला आयोजित की है, एक लेख प्रकाशित किया है और कैंसर रोगियों के लिए उपयोग किए जाने वाले तीन आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन का गुणवत्ता मानकीकरण किया है, एसओपी और मोनोग्राफ तैयार किए गए हैं। एक अंतरराष्ट्रीय सहकर्मी-समीक्षा पत्रिका में एक शोध लेख प्रकाशित हुआ है। एक राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई जिसका लाभ देश के विभिन्न हिस्सों से आए 40 प्रतिनिधियों को मिला।
एकीकृत चिकित्सा एवं अनुसंधान केंद्र (सीआईएमआर) एम्स, नई दिल्ली	तिमाही-II 2023-2024 के दौरान 13 रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड परीक्षण (आरसीटी) किए गए हैं और तिमाही-II 2023-2024 के दौरान एक लेख प्रकाशित किया गया है।